मिलावटी घी पकड़ने के लिए खाद्य सुरक्षा व चिकित्सा विभाग ने जयपुर में छापा मारा

बनीपार्क में दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी से अमृत व डेयरी शुभम ब्रांड का 1130 लीटर घी जब्त

शहर में मिलावटी घी बेचने वालों पर नकेल कसने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और चिकित्सा विभाग की टीम ने कई जगह छापेमारी की।

- छोटी चौपड़ पर माहेश्वरी स्टोर से ग्वाल कृष्णा ब्रांड घी का नमूना लिया
- सोडाला में बी.एच.किराणा स्टोर और सौंखिया ट्रेडर्स से गोकुल ब्रांड का 280 लीटर घी सीज किया

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में मिलावटी घी बेचने वालों पर नकेल कसने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और चिकित्सा विभाग की टीम ने कई जगह छापेमारी की। बनीपार्क स्थित दुर्गा ट्रैडिंग कंपनी पर कार्यवाही करते हुए टीम ने अमृत एवं डेयरी शुभम घी ब्रांड का मिलावटी 1130 लीटर घी जब्त किया और खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए हैं, साथ ही शेष घी को सीज कर दिया गया।

यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा व औषधि नियंत्रण विभाग के आयुक्त शिव प्रकाश नकाते और जयपुर सीएमएचओ (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) डॉ. विजय सिंह फौजदार के नेतृत्व में की गई थी। बताया जा रहा है कि जब्त किया हुआ अमृत व डेयरी शुभम ब्रांड का घी विभिन्न साइज की पैकिंग में रखा गया था, जो कि आमजन को 350 से 400 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बेचा जा रहा था। बताया जा रहा है कि दुर्गा ट्रैडिंग कंपनी ने यह अमृत घी पंजाब तथा डेयरी शुभम अहमदाबाद की फर्म से खरीदा है, इसलिए खाद्य सुरक्षा टीम ने इन दोनों घी सप्लायरों को भी नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार छोटी चौपड़ स्थित माहेश्वरी स्टोर से "ग्वाल कृष्णा" ब्रांड के घी का नमूना लिया। बी.एच. किराना स्टोर सोडाला के यहां से "गोकुल" ब्रांड घी का नमूना लेकर 50 लीटर घी सीज किया। सौंखिया ट्रेडर्स सोडाला के यहां से "गोकुल" ब्रांड घी का सैंपल लेकर मौके पर रखे 230 लीटर घी को सीज किया। अब इन सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। इस कार्रवाई को अंजाम देने में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश कुमार, रतन सिंह गोदारा, नरेंद्र शर्मा, पवन कुमार गुप्ता और सहायक पुखराज शामिल रहे।

जूस में जहर मिलाकर पीया, पति-पत्नी और बेटे की मौत

- करधनी इलाके में निवारू रोड स्थित बालाजी विहार की घटना
- पुलिस ने एफ.एस.एल. टीम की मदद से घटनास्थल से सबूत जुटाए

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में आर्थिक तंगी और बीमारी से परेशान परिवार के तीन सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी और बेटे ने जूस में जहर मिलाकर पी लिया था। सभी लोगों को बेहोशी की हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर्स ने दंपत्ति को मृत घोषित कर दिया। जबकि बेटे को उपचार के लिए भर्ती कर लिया था, लेकिन उसने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद करधनी पुलिस ने घटनास्थल से एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं।

पुलिस ने बताया कि बालाजी विहार निवारू रोड निवासी नवीन सैन (41), उसकी पत्नी सीमा सैन (39) और बेटे मयंक (14) ने रविवार रात को पपीता के जूस में जहर मिलाकर पी लिया था। रात करीब साढ़े 10 बजे बड़ा बेटा अनुराग मेडिकल शॉप से घर पहुंचा तो गेट अंदर से बंद मिला। करीब 15 मिनट तक आवाज लगाने के बावजूद जब तीनों ने गेट नहीं खोला तो उसने पडौसियों को बुलाया। इसके बाद पडौसियों ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो तीनों बेहोशी की हालत में मिले, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर्स ने पति-पत्नी को मृत घोषित कर दिया और मयंक का उपचार शुरू कर दिया, लेकिन सोमवार दोपहर 3 बजे मयंक ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस ने बताया कि मृतक नवीन मूलतः झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ में गांव बसावा का रहने वाला था, लेकिन वह पिछले 10 साल से अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ बालाजी विहार, निवारू रोड पर रहता था। उसकी वैद्यजी का चौराहा पर मेडिकल शॉप है, जिसे बड़ा बेटा अनुराग संभालता है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नवीन की दोनों किडनी खराब थी। बीमारी और मकान का कर्ज होने के कारण पूरा परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। पुलिस को मौके से जहर के खाली पाउच और एक गिलास में जूस मिला है। प्रथमदृष्टया लग रहा है कि नवीन ने जूस में जहर मिलाकर खुद पिया और पत्नी व बेटे को भी पिला दिया।

पार्किंग स्थल के लिए नर्सिंग कर्मियों ने दो घंटे तक कार्य बहिष्कार किया

सवाई मानसिंह अस्पताल में पार्किंग स्थल की मांग को लेकर नर्सिंग कर्मचारियों ने मंगलवार सुबह 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर विरोध जताया। इसके बाद अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा का घेराव किया।

जयपुर (कासं)। सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में पार्किंग की जगह का विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। नर्सिंग कर्मचारियों ने मंगलवार सुबह 2 घंटे कार्य बहिष्कार किया और बाद में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा का घेराव किया। इस घटनाक्रम के बाद दोपहर करीब 2 बजे वार्ता हुई, जो कि असफल रही।

वहीं दूसरी ओर पार्किंग की जगह का मुद्दा उठा रहे नर्सिंग कर्मचारियों ने मिलकर कर्मचारी समन्वय समिति का गठन किया है, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी, ज़िला अध्यक्ष बलदेव चौधरी, फार्मा से आनंद सूरा, लेबटेक्निशियन से जितेंद्र सिंह रेडियोग्राफर से वीरेंद्र सिंह, मंत्रालयिक कर्मचारियों से राजेश शर्मा तथा सहायक कर्मचारियों से लक्ष्मीकान्त को जोड़ा गया है। यह समिति सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन द्वारा 10 अक्टूबर को आदेश निकालकर अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ के लिए पार्किंग स्थल की नई व्यवस्था में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का विरोध करेगी। मंगलवार को एसएमएस अस्पताल प्रशासन के विरोध में नर्सेज़ संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मनोज दुब्बी, अध्यक्ष सोम सिंह मीना, गोपाल विष्ठ, संदीप शेखावत, महिपाल सामोता, अजय बघेल, हरि सिंह भाटी, अंशु गर्ग, मोण्टू लाल, भरत जाटव, नीरज उपाध्यक्ष, कुसुम चौधरी, रिंकु बैनीवाल, सीमा शर्मा सुनीता कटेवा, जेपी कस्वा, महेंद्र कुडी, अनिता मीना और भूपेन्द्र ने भाग लिया। बुधवार को भी यह कर्मचारी अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

नर्सेज संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मनोज दुब्बी ने बताया कि सवाई मानसिंह चिकित्सालय में कार्यरत स्वास्थ्य कार्मिकों में सर्वाधिक संख्या नर्सेज कार्मिकों की है। अधिकांश कार्मिक अपने वाहनों को मुख्य भवन के गेट नंबर 3 पर स्थित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करते हैं, लेकिन अस्पताल प्रशासन द्वारा हाल ही आदेश जारी किया है। इसके बाद से सभी नर्सेज कर्मचारी विरोध में उतरे हुए है।

क्रिकेट मैच में करोड़ों रुपए का सट्टा लगाने वाले 20 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने क्रिकेट मैच पर करोड़ों रुपये का ऑनलाइन सट्टा लगा रहे 20 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर (कासं)। क्रिकेट मैच पर करोड़ों रुपये का ऑनलाइन सट्टा लगा रहे 20 बदमाशों को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने दबोचा है। यह गैंग ज्योति नगर इलाके में सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी क्रिकेट मैच में ऑनलाईन सट्टा व खाईवाली कर रही थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 42 हजार 910 रुपये नकद, 32 मोबाईल, 3 लग्जरी कार और 1 दुपहिया वाहन समेत करोड़ों रुपयों का हिसाब-किताब बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी टीम को ज्योति नगर थाना इलाके में क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टे की जानकारी मिली। इस पर पुलिस टीम गठित कर दबिश मारी गई। दबिश के दौरान पुलिस ने संदीप खत्री उर्फ पंजाबी, उमेश बाल्यान उर्फ सोनू, मनीष सचदेवा उर्फ मन्तु, विकास खत्री, अजय खत्री, मोहित देवतिया, अनुज मूंदवा, सुमित कुमार डड्डा, सुमित कुमार खटीक उर्फ रॉकी, अजय सिंह, अभिषेक हिंगस उर्फ टोनी, राजू जाट,भगवतीलाल, मनोज माहेश्वरी, उपमन्यु, राज प्रताप सिंह, विशाल जांगिड़, महेश घूघवाल, रिछपाल उर्फ ऋषि, मोहम्मद जुबेर और मोहम्मद इलियास को गिरफ्तार किया है।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित मूलतः सोनीपथ, हरियाणा, भीलवाड़ा, नागौर व जयपुर के रहने वाले हैं। गैंग के बदमाशों ने जयपुर शहर में ज्योति नगर में सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाईन सट्टा एवं खाईवाली करने का काम करना स्वीकार किया है। यह गैंग लोगों से रुपये प्राप्त कर धोखाधड़ी व ऑनलाईन आईडी बनाकर ठगी करती है और मोबाईल फोन को उपयोग में लेकर हार-जीत के लिए ऑनलाईन आई.डी. बनाकर खाते देते हैं, जिसके जरिए सट्टे का कार्य होता है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 42 हजार 910 रुपये नकद, 32 मोबाईल, 3 लग्जरी कार और एक बाइक व करोड़ों रुपयों का हिसाब-किताब बरामद किया गया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

शिक्षक को पुरानी पेंशन क्यों नहीं?

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक और सवाई माधोपुर डीईओ से पूछा है कि याचिकाकर्ता शिक्षक की वरिष्ठता की गणना जब वर्ष 1998 से की गई है तो उसे पुरानी पेंशन योजना का लाभ क्यों नहीं दिया जा रहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश हनुमान प्रसाद गुर्जर की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 1998 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में आवेदन किया था, लेकिन मामला शैक्षणिक योग्यता के चलते अदालत में अटक गया। हाईकोर्ट ने जुलाई, 2006 में याचिकाकर्ता को शिक्षक पद पर नियुक्ति देने को कहा। जिसकी पालना में विभाग ने बीस मई, 2008 को याचिकाकर्ता को नियुक्ति दे दी। इस पर याचिकाकर्ता ने अदालत में याचिका पेश कर वर्ष 1998 से वरिष्ठता और परिलाभ दिलाने की गुहार की। इस पर हाईकोर्ट ने दस सितंबर 2021 को विभाग को याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन तय करने को कहा। ऐसे में विभाग ने सितंबर, 2022 में याचिकाकर्ता को वर्ष 1998 से वरिष्ठता का लाभ दे दिया, लेकिन नियुक्ति पत्र का अंशदायी पेंशन योजना लागू कर दी। इसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि अंशदायी पेंशन योजना वर्ष 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों पर ही लागू है।

दहेज हत्या के आरोपी को उम्रकैद

जयपुर, (का.सं.)। महिला उत्पीड़न एवं दहेज प्रकरण मामलों की विशेष अदालत महानगर प्रथम ने पत्नी की दहेज हत्या करने वाले अभियुक्त शंभू सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त की मां को दहेज प्रताड़ना का दोषी मानते हुए तीन साल की सजा दी है। वहीं अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर 70 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने अपने पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया और रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। शादीशुदा महिलाओं के साथ ऐसे अत्याचार की घटनाएं लगातार बढती जा रही हैं। जिससे पति-पत्नी के रिश्तें के प्रति महिलाओं को अविश्वास की भावना पैदा हो रही हैं। ऐसी आपराधिक मानसिकता वाले अभियुक्तों पर अंकुश लगाना जरूरी है और ऐसे में उनके प्रति नरमी नहीं बरती जा सकती।

विशेष लोक अभियोजक की ओर से अदालत को बताया गया कि अलमेन्द्र सिंह ने 2 दिसंबर, 2013 को जवाहर नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन की शादी 20-22 साल पहले आरोपी के साथ हुई थी। शादी में पांच-सात लाख रुपए खर्च किए, लेकिन ससुराल वाले खुश नहीं थे और उन्होंने स्कूटर व 50 तोला सोने की मांग की। जिस पर उन्होंने स्कूटर दे दिया, लेकिन फिर भी 30 तोला सोने की मांग जारी रही। मांग पूरी नहीं करने पर उसकी बहन के साथ मारपीट की गई और उसे प्रताडित किया गया। घटना के 6-7 साल पहले भी उसकी बहन को टंकी में डालकर मारने का प्रयास किया, लेकिन कॉलोनी के लोगों ने उसे बचा लिया था। इस दौरान दीपावली पर जब उसकी मां ने बहन से बात करवाने के लिए कहा तो सास ने आनाकानी की और बडी मुश्किल से बात कराई। वहीं बाद में 2 दिसंबर 2013 को ससुराल से फोन आया कि उसकी बहन की मौत हो गई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम पर चर्चा

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मौसमी बीमारियों मलेरिया, डेंगू व स्क्रब टायफस आदि पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित की जाए। इसमें किसी स्तर पर लापरवाही नहीं हो।

उन्होंने समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से विशेष कार्य योजना बनाते हुए मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक गतिविधियां सम्पादित करने के निर्देश दिए। सिंह मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में मौसमी बीमारियों की रोकथाम व नियंत्रण गतिविधियों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने प्रदेशभर में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए चलाई जा रही गतिविधियों की गहन समीक्षा की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मौसमी बीमारियों से अधिक प्रभावित 9 जिलों (धौलपुर, बीकानेर, भरतपुर, बारां, दौसा, श्रीगंगानगर, झालावाड़, जोधपुर, उदयपुर) में मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण गतिविधियों की सघन मॉनिटरिंग व सुपरविजन के लिए सभी जोन के संयुक्त निदेशक को निर्देश दिये।

राज्य में सूखा दिवस घोषित

जयपुर । राज्य सरकार ने राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले से सम्पूर्ण राज्य में सूखा दिवस घोषित किया है। इस संबंध में वित्त (आबकारी) विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 23 नवम्बर , 2023 की शाम से 25 नवम्बर, 2023 को मतदान समाप्ति तक राज्य में सूखा दिवस रहेगा। पुनर्मतदान की स्थिति में भी पुनर्मतदान की घोषणा से पुनर्मतदान की समाप्ति तक संबंधित मतदान केंद्रों के क्षेत्रों में पुनर्मतदान की तिथि को शराब एवं ऐसी प्रकृति के अन्य मादक पदार्थ के विक्रय एवं वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही मतगणना दिवस 3 दिसम्बर 2023 को भी सम्पूर्ण राज्य में सूखा दिवस घोषित किया गया है।

1100 मंदिरों में एक साथ गूंजा "हनुमान चालीसा"

जयपुर बचाओ संघर्ष समिति के आव्हान पर मंगलवार को शहर में जगह-जगह सामूहिक "हनुमान चालीसा" पाठ का आयोजन हुआ।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर बचाओ संघर्ष समिति के आव्हान पर मंगलवार को छोटीकाशी के 1100 मंदिरों में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के कार्यक्रम हुए। हनुमत शक्ति जागरण के इस सामूहिक आयोजन में बड़ी संख्या में सनातनियों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। संतों-महंतों के सान्निध्य में सर्व समाज के प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में हुए हनुमान चालीसा पाठ में मातृ शक्ति और युवा शक्ति ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम और वीर बजरंग बली की पूजा-अर्चना के बाद लोगों ने श्रद्धाभरे अंतःकरण से हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर छोटीकाशी में सौहार्द्र बना रहे, ऐसी बजरंग बली से कामना की। इससे पूर्व भाव विभोर कर देने वाले भजन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। संतों ने 'श्रीराम जयराम जय जय राम' का सामूहिक संकीर्तन करवाया। भगवा ध्वज लहराती युवाओं की टोलियों ने एक ही नारा एक ही नाम जय श्री जयश्री राम..., वंदे मातरम..., जयकारा वीर बजरंग बली हर हर महादेव..., भारत माता की जय... के जयकारे लगाकर आयोजन में जोश भर दिया।

चारदीवारी के सभी प्रमुख हनुमान मंदिरों के अलावा राजधानी के 1100 से अधिक हनुमान मंदिरों में ठीक आठ बजे गगनभेदी जयघोष के साथ जय हनुमान ज्ञान गुण सागर की चौपाई गुंजायमान हो उठी। जयपुर बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक राजकुमार गुप्ता ने बताया कि प्रशासन संघर्ष समिति की आठ मांगों को जल्दी मानकर उसे पूरा करें। हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से हमने प्रशासन को सद्बुद्धि आए, ऐसी प्रार्थना की है। जयपुर की शांति व्यवस्था से किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हनुमान चालीसा के कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे समाज की शक्ति का जागरण करने के इस कार्य को समिति और सामाजिक संगठनों ने सफलतापूर्वक किया इसके लिए सभी धन्यवाद के पात्र है।

विभिन्न स्थानों पर हुए हनुमान चालीसा पाठ में संतों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने प्रदेश में तुष्टिकरण का मुद्दा उठाया। सांगानेर में मालपुरा गेट के पास तेजाजी के बाड़े में हुए श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा ने हनुमान जी महाराज की पूजा-अर्चना कर हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ किया। इस मौके पर डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि गंगापोल, सुभाष चौक की घटना के बाद जयपुर में असामाजिक तत्वों द्वारा हुई तोड़फोड़ और आगजनी के विरोध में चार अक्टूबर को बड़ी चौपड़ पर दिए गए धरने के बाद जयपुर बचाओ संघर्ष समिति ने प्रशासन के समक्ष आठ मांगें रखी थी, उस पर अभी तक कार्रवाई नहीं होना शर्मनाक है। आज प्रदेश में ऐसे हालात बन गए हैं कि सार्वजनिक पार्क में धार्मिक आयोजन के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ रही है।

विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस ने बढ़ाई नाकाबंदी

शहर में जगह-जगह नाकाबंदी करके संदिग्ध गतिविधियों और वाहनों पर नजर रख रही है पुलिस

जयपुर । विधानसभा चुनावों को देखते हुए कमिश्नरेट पुलिस ने अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी है। मंगलवार को कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ व एडिशनल कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने अर्द्धसैनिक बल, आईटीबीपी के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में से कुछ में फ्लैग मार्च निकालने का निर्णय लिया गया।

अधिकारियों के निर्देशानुसार पुलिस व आईटीबीपी जवानों ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सेठी कॉलोनी, बर्मीज कॉलोनी, आजाद नगर, शांति कॉलोनी, ट्रांसपोर्ट नगर व अमृतपुरी में फ्लैग मार्च निकाला। कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि चुनाव आयोग की तरफ से चार कंपनी आईटीबीपी की कमिश्नरेट में लगाई गई है। शहर में कानून व्यवस्था व शांतिपूर्वक मतदान के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला जाएगा। आईटीबीपी के कमांडेंट जसपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट गौतम कुमार, शेखर चतुर्वेदी, सहायक कमांडेंट कमलेश कुमार व प्रवीण कुमार मीटिंग में शामिल हुए। जवानों के ठहराने की व्यवस्था के साथ अन्य कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। उधर इस बैठक के बाद शहर में पुलिस ने जगह-जगह नाकाबंदी शुरू कर संदिग्ध गतिविधियों और वाहनचालकों पर नजर रखनी शुरू कर दी है।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान विधानसभा चुनाव की आचार संहिता की पालना में जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने कानोता, प्रताप नगर और जवाहर नगर इलाके में अवैध शराब की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को धर-दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी और अंग्रेजी अवैध शराब की कई पेटियां और हजारों रुपये बरामद किए है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि राजस्थान विधान चुनाव को देखते हुए आदर्श आचार संहिता की पालना में मंगलवार को डीएसटी पूर्व ने कानोता ,प्रताप नगर और जवाहर नगर थाना इलाके में अवैध शराब की तस्करी करने पुष्पेंद्र सिंह निवासी निवाई जिला टोंक हाल कानोता,रजत सिंह निवासी जवाहर नगर और महिला तस्कर सुनीता सांसी निवासी प्रताप नगर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से देशी और अंग्रेजी अवैध शराब की पेटी सहित हजारों रुपये बरामद किए गए है। पुलिस अब आरोपियों से अवैध शराब की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

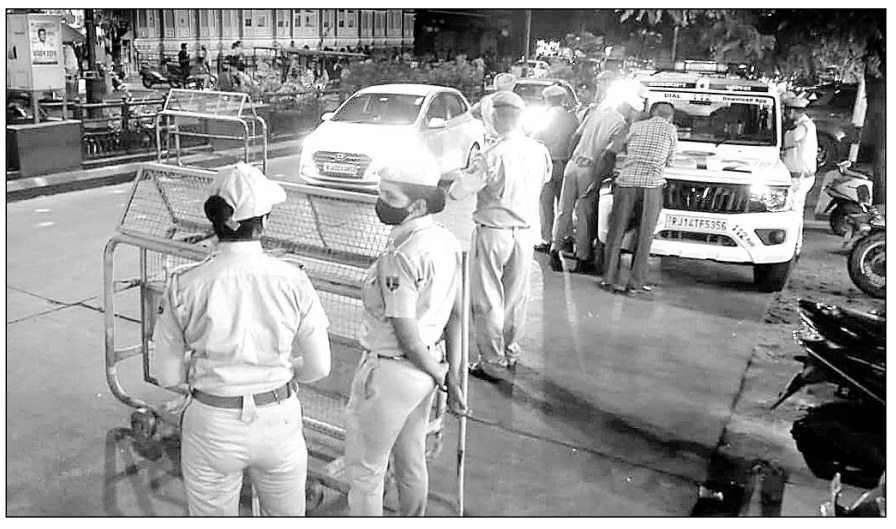

विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस टीम ने मंगलवार शाम को हवामहल क्षेत्र में नाकाबंदी करके संदिग्ध वाहनों की जांच की और चालकों से पूछताछ की।